न्यूज़ टुडे

एक अध्ययन के अनुसार जलवायु परिवर्तन के कारण वर्ष 2000 से 'हाई माउंटेन एशिया (HMA)' में बाढ़ आने की घटना में वृद्धि हुई है

इस अध्ययन में 1950 से 2023 तक हाई माउंटेन एशिया में बाढ़ की घटनाओं का विश्लेषण किया गया है। इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला है कि **तापमान में होने वाली वृद्धि बाढ़ की बढ़ती घटनाओं का मुख्य कारण** है।

- 1950 के बाद से, हाई माउंटेन एशिया का तापमान **प्रति दशक 0.3°C** की दर से बढ़ा है।

इस अध्ययन के अन्य मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- **बाढ़ आने के समय में अनिश्चितता बढ़ रही है।** बाढ़ की अधिकांश घटनाएं मानसून के दौरान होती रहती हैं, लेकिन इसके अलावा दूसरे मौसम में भी बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं।
- **तेल, कोयला और गैस के जलने से वैश्विक तापमान** बढ़ रहा है, जिससे एशियाई क्षेत्र में चार प्रकार की बाढ़ में वृद्धि हो रही है।

हाई माउंटेन एशिया में बाढ़ के चार प्रकार

- **वर्षा के कारण बाढ़ (Rain/ Pluvial Floods: PF):** हिमालयी क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा के कारण **सतही जल अपवाह में वृद्धि और अचानक बाढ़ आना एक सामान्य घटना** बन गई है।
- **बर्फ पिघलने से उत्पन्न बाढ़ (Snowmelt-induced floods: SF):** तापमान बढ़ने के कारण बर्फ तेजी से पिघलती है, जिससे नदी का जलस्तर बढ़ जाता है। यह प्रभाव **तियान शान क्षेत्र में सबसे अधिक** देखने को मिलता है।
- **हिमनदीय झील के तटबंध टूटने से उत्पन्न बाढ़ (Glacial Lake Outburst Floods: GLOF):** हिमनदों के पिघलने या भूस्खलन के कारण हिमनदीय झीलों के तटबंध टूट जाते हैं। यह घटना **कराकोरम और हिमालय क्षेत्र में आम है।**
- **भूस्खलन से बनी झील के तटबंध टूटने से उत्पन्न बाढ़ (Landslide-Dammed Lake Outburst Floods: LLOFs): भूस्खलन के कारण नदियों का मार्ग बाधित हो जाता है,** और अस्थायी झीलें बन जाती हैं। बाद में ऐसी झील के तटबंध टूटने से बाढ़ आती है। यह ज्यादातर **हेंगडुआन पर्वतों में देखने को मिलता है।**

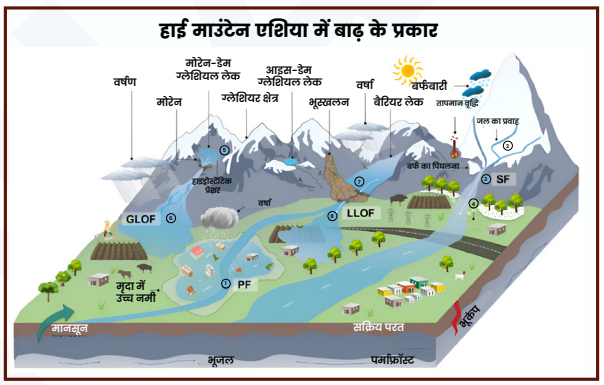

इस अध्ययन में की गई सिफारिशें

- संवेदनशील घाटियों में **वास्तविक समय पर बाढ़ की निगरानी** को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।
- सीमा-पारीय खतरों से निपटने के लिए हाई माउंटेन एशिया से संबंधित देशों के बीच **डेटा-साझाकरण समझौतों को मजबूत करना चाहिए।**
- स्थानीय स्तर पर सुरक्षात्मक अवसंरचना के निर्माण सहित **समुदाय आधारित बाढ़ शमन प्रयासों को बढ़ावा देना चाहिए।**

हाई माउंटेन एशिया के बारे में

- इसे **"एशियाई वाटर टावर"** भी कहा जाता है। यह **ताजे जल का एक महत्वपूर्ण स्रोत** है, क्योंकि यहां ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर **हिम के रूप में जल का सबसे बड़ा भंडार है।**
- यह **10 प्रमुख नदियों में जल की आपूर्ति सुनिश्चित करता है** तथा 2 अरब से अधिक लोगों का जीवन-यापन इससे जुड़ा हुआ है।
- इसमें **तिब्बत का पठार** भी शामिल है, जो पश्चिम में **तियान शान, पामीर, हिंदू कुश और काराकोरम पर्वत श्रृंखलाओं,** दक्षिण और दक्षिण-पूर्व में **हिमालय** तथा पूर्व में **किलियन शान** से घिरा हुआ है।

प्रधान मंत्री ने मोटापा कम करने के लिए खाद्य तेल की खपत में लोगों से 10% की कटौती करने का आह्वान किया है

हाल ही में, प्रधान मंत्री ने बताया कि **वैश्विक स्तर पर हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे से ग्रस्त** है, और **5 से 19 वर्ष के बच्चों व किशोरों में इसके मामले चार गुना बढ़ गए हैं।** उन्होंने यह बात 2022 के WHO के आंकड़ों के आधार पर कही।

मोटापा के बारे में

- WHO के अनुसार, मोटापा शरीर में **असामान्य या अत्यधिक वसा का संचय** है, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है।
  - मोटापे को वर्गीकृत करने के लिए **बॉडी मास इंडेक्स (BMI)** का उपयोग किया जाता है। इसकी गणना व्यक्ति के **वजन (किलोग्राम)** को उसकी **लंबाई (वर्ग मीटर)** से विभाजित करके की जाती है (kg/m^2)।
    - **25 या इससे अधिक BMI** वाले व्यक्ति को **अधिक वजन** वाला माना जाता है।
    - **30 या इससे अधिक BMI** वाले व्यक्ति को मोटापे की श्रेणी में रखा जाता है।
- **मोटापे का स्वास्थ्य पर प्रभाव:** हृदय रोग में वृद्धि, मधुमेह, कैंसर, तंत्रिका संबंधी विकार, श्वसन संबंधी गंभीर बीमारियां, आदि।

मोटापे की समस्या की रोकथाम के लिए भारत में कुछ रणनीतिक उपाय

पोषण अभियान	फिट इंडिया मूवमेंट	गैर-संचारी रोगों (NCDs) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम	ईट राइट इंडिया	RUCO (रीपर्पस यूज्ड कुकिंग ऑयल) पहल
बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए पोषण संबंधी परिणामों में सुधार करना	सक्रिय जीवन-शैली को बढ़ावा और दिनचर्या में फिटनेस के लिए प्रोत्साहन	समुदाय के सदस्यों, नागरिक समाज और मीडिया को शामिल करके व्यवहार परिवर्तन के जरिए बेहतर स्वास्थ्य को बढ़ावा	सभी के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और संधारणीय भोजन सुनिश्चित करना	एक बार उपयोग हो चुके खाना पकाने के तेल का सुरक्षित रूप से पुनः उपयोग

NFHS-5 (2019-2021) के अनुसार, भारत में मोटापे की स्थिति

- कुल मिलाकर, **24% महिलाएं और 23% पुरुष** अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं।
- अखिल भारतीय स्तर पर, **2015-16 से 2019-21** के बीच 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में **अधिक वजन की दर 2.1% से बढ़कर 3.4%** हो गई।

भारत में मोटापे को बढ़ावा देने वाले कारक

- **उच्च-कैलोरी एवं कम-पोषक तत्व वाले आहार:** रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट एवं सैचुरेटेड फैट्स यानी संतृप्त वसा की खपत में वृद्धि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों तक आसान पहुंच, आदि।
- **भाग-दौड़ वाली जीवन-शैली:** लंबे समय तक बैठे रहना, स्क्रीन के सामने बहुत अधिक समय बिताना, शारीरिक गतिविधियों पर बहुत कम ध्यान देना, आदि।
- **आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों का उपयोग:** आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें मानव शरीर की चयापचय प्रक्रियाओं को बाधित कर सकती हैं और वजन में अवांछित वृद्धि का कारण बन सकती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक अतिक्रमण के आधार पर हाई कोर्ट के आदेश को रद्द किया

गौरतलब है कि **मान सिंह वर्मा मामले** में, इलाहाबाद हाई कोर्ट ने **नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो** (NCB) को कथित रूप से अवैध तरीके से हिरासत में रखने के कारण आरोपी को मुआवजा देने का आदेश दिया था।

- सुप्रीम कोर्ट ने **न्यायिक अतिक्रमण यानी जुडिशियल ओवररीच** का हवाला देते हुए इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस आदेश को रद्द किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि **दंड प्रक्रिया संहिता** किसी कोर्ट को अवैध तरीके से हिरासत में रखे गए व्यक्ति को मुआवजा दिलवाने का अधिकार नहीं देती है।

न्यायिक सक्रियता और न्यायिक अतिक्रमण (Judicial Activism and Judicial Overreach)

न्यायपालिका को संविधान में निर्धारित **शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत का पालन करते हुए न्यायिक संयम बनाए रखना चाहिए।** जैसा कि डॉ. मनमोहन सिंह ने कहा था, **"न्यायिक सक्रियता और न्यायिक अतिक्रमण के बीच की सीमा रेखा बेहद पतली होती है।"**

न्यायिक सक्रियता और न्यायिक अतिक्रमण

	न्यायिक सक्रियता	न्यायिक अतिक्रमण
परिभाषा	• यह कोर्ट द्वारा **नागरिक अधिकारों की रक्षा करने तथा समाज में न्याय को आगे बढ़ाने हेतु** अपनाए जाने वाले सक्रिय दृष्टिकोण को संदर्भित करता है। • उदाहरण के लिए, **जनहित याचिका**।	• यह **न्यायिक सक्रियता का चरम रूप है।** जब कोई अदालत **अपने निर्धारित अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर कार्य** करती है और **कार्यपालिका या विधायिका के अधिकारों में हस्तक्षेप** करती है, तो उसे न्यायिक अतिक्रमण कहा जाता है।
आधार	• **संविधान की व्याख्या करने का अंतिम अधिकार न्यायपालिका के पास है।** • उदाहरण के लिए, **न्यायिक समीक्षा यानी न्यायिक पुनरावलोकन (अनुच्छेद 32 और 226)** के तहत कोर्ट, संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले कानूनों या कार्यकारी निर्णयों/ आदेशों को रद्द कर सकती है।	• यह एक प्रकार से **शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत का उल्लंघन** है। अदालतों द्वारा **कानून प्रवर्तन एवं नीति निर्माण** का कार्य करना विधायिका/ कार्यपालिका के कार्यों में हस्तक्षेप माना जाता है। • उदाहरण के लिए, अदालत द्वारा मध्यस्थता संबंधी निर्णयों को संशोधित करने के लिए **अनुच्छेद 142 का उपयोग** न्यायिक अतिक्रमण के जोखिम को बढ़ाता है।
महत्वपूर्ण निर्णय	• **विशाखा बनाम राजस्थान राज्य वाद (1997):** कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए। • **मेनका गांधी (1978) वाद:** कोर्ट ने **'विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया'** की व्याख्या **'विधि की सम्यक् प्रक्रिया'** के रूप में की।	• **राष्ट्रगान से जुड़ा मामला - श्याम नारायण चौकसे बनाम भारत संघ वाद (2018)** • राष्ट्रीय एवं राज्य **हाईवे के पास शराब बेचने पर प्रतिबंध।**

केंद्र सरकार ने शेरों के संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए 'प्रोजेक्ट लायन' के लिए वित्त-पोषण को मंजूरी दी

केंद्र सरकार ने प्रोजेक्ट लायन के तहत लगभग 2,927.71 करोड़ रुपये के वित्त-पोषण को मंजूरी दी है। इसमें गुजरात के जूनागढ़ जिले में एक **नेशनल रेफरल सेंटर फॉर वाइल्ड लाइफ** (NRC-W) की स्थापना करना भी शामिल है।

नेशनल रेफरल सेंटर फॉर वाइल्ड लाइफ (NRC-W) के बारे में

- इस केंद्र का उद्देश्य वन्यजीवों में बीमारियों की निगरानी करना है, खासकर उन बीमारियों की पहचान करना जो जानवरों से मनुष्यों में फैल सकती हैं।
  - उदाहरण के लिए, **2020 में बेबेसियोसिस** के प्रकोप से **गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान में 23 शेरों की मृत्यु** हो गई थी। **बेबेसियोसिस शेरों की लाल रक्त कोशिकाओं को प्रभावित करता है।**
- **NRC-W का ध्यान चार मुख्य सिद्धांतों पर होगा:** निगरानी, प्रतिक्रिया, रोकथाम और तैयारी या तत्परता।
- **नोडल एजेंसी:** केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण

संरक्षण संबंधी प्रयास

- **प्रोजेक्ट लायन:** इसकी शुरुआत 2020 में हुई थी। इसका **उद्देश्य** एशियाई शेरों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। इसके तहत, पर्यावासों के पुनरुद्धार के साथ-साथ बेहतर निगरानी के लिए रेडियो कॉलर और कैमरों का उपयोग किया जा रहा है।
- **एशियाई शेरों की संरक्षण स्थिति:**
  - **IUCN स्थिति:** वल्नरेबल
  - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972:** अनुसूची I और IV में शामिल
  - **CITES:** परिशिष्ट I में सूचीबद्ध
- **शेरों के संरक्षण के लिए की गई अन्य पहलें:**
  - इंटरनेशनल बिग कैट्स एलायंस (2023)
  - **ग्रेटर गिर कांसेप्ट:** इसमें गिर राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य के अलावा शेरों के लिए नए पर्यावासों का निर्माण करना शामिल है।
    - **बरदा वन्यजीव अभयारण्य** शेरों के लिए "दूसरे पर्यावास" के रूप में उभरा है।

पहलू	एशियाई शेर (Panthera leo persica)	अफ्रीकी शेर (Panthera leo)
आकार	इनका आकार तुलनात्मक रूप से छोटा और नर का वजन 350-450 पाउंड तक होता है	इनका आकार तुलनात्मक रूप से बड़ा और नर का वजन 330-500 पाउंड तक होता है
अयाल	छोटा, विरल, गहरा अयाल	भरा हुआ, लंबा, पूरे सिर को ढकने वाला अयाल
त्वचा	पेट के नीचे अतिरिक्त त्वचा होती है	इनमें पेट के नीचे अतिरिक्त त्वचा नहीं होती है
झुंड का आकार	छोटा झुंड, आमतौर पर 2-5 मादाएं	बड़ा झुंड, अधिकतम 6 मादाएं

शेर के बारे में

- शेर घासभूमियों और मैदानों में **झुंड बनाकर रहते हैं।**
- **नर शेर गश्त लगाते हुए गंध की मदद से अपना इलाका निर्धारित करते हैं।**
- **मादाएं जीवन भर झुंड में साथ-साथ रहती हैं,** जबकि **नर वयस्क होने** पर झुंड से अलग हो जाते हैं।
- शेर **प्रतिदिन 20 घंटे आराम करते हैं या सोते हैं।**
- शेर **प्रायः रात में ही शिकार** करते हैं।
- शेरों का **कोई विशिष्ट प्रजनन काल नहीं होता है,** और उनकी गर्भधारण अवधि लगभग 100 से 119 दिनों की होती है।

अहमदाबाद नगर निगम (AMC) अपने बजट में अलग जलवायु अध्याय शामिल करने वाला पहला शहरी स्थानीय निकाय बना

इस नए अध्याय का शीर्षक **'सतत और जलवायु बजट (Sustainable and climate budget)'** है। इसके तहत अहमदाबाद नगर निगम (AMC) ने 2025-26 के बजट का एक-तिहाई हिस्सा जलवायु कार्रवाई के लिए निर्धारित किया है। इसका मुख्य उद्देश्य भारत द्वारा 2070 तक **नेट-जीरो क्लाइमेट रेजिलिएंट सिटी एक्शन प्लान** को लागू करने के लक्ष्य को हासिल करना है।

- इससे पहले, **बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC)** ने भी AMC की भांति जलवायु बजट प्रस्तुत किया था। इसमें 33% पूंजीगत व्यय जलवायु-संबंधी परियोजनाओं के लिए निर्धारित किया गया था।

जलवायु बजटिंग के बारे में

- यह एक ऐसी प्रशासन प्रणाली है, जिसके तहत जलवायु प्रतिबद्धताओं को **नीतियों, कार्यवाहियों और बजटीय आवंटन में प्रमुखता से शामिल** किया जाता है।
- इसके तहत, **शहरों की जलवायु कार्य योजना** से जुड़े लक्ष्यों को बजट प्रक्रिया के साथ एकीकृत किया जाता है तथा इसके **कार्यान्वयन व निगरानी की ज़िम्मेदारी** नगर प्रशासन को सौंपी जाती है।
- **शहरों के लिए जलवायु बजट का महत्त्व:**
  - यह **जलवायु परिवर्तन के अनुकूल विकास को बढ़ावा देने; उत्सर्जन में कमी लाने; और वैश्विक एवं राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने** में सहायता करता है।
  - इसके कारण **व्यय का विश्लेषण करके जलवायु वित्त की कमी का अनुमान लगाने में मदद** मिलती है। साथ ही, इससे जलवायु वित्त जुटाने वाले नवीन वित्तीय मॉडल्स को अपनाने में भी सहायता मिलती है।

जलवायु कार्रवाई में स्थानीय प्रशासन की भूमिका

- **विविध स्थानीय जलवायु कार्रवाई:** जलवायु परिवर्तन का प्रभाव अलग-अलग क्षेत्रों की **भौगोलिक और सामाजिक-आर्थिक दशाओं** के आधार पर अलग-अलग होता है। इसलिए इनके समाधान के लिए **स्थानीय उपाय अधिक प्रभावी** हो सकते हैं।
  - उदाहरण के लिए- वित्त वर्ष 2024-25 में, **BMC ने शहरी बाढ़ से निपटने** के लिए अपने **पूंजीगत व्यय का लगभग 30%** हिस्सा आवंटित किया।
- स्थानीय प्रशासन जलवायु परिवर्तन की वजह से उत्पन्न होने वाली **चरम मौसमी घटनाओं** जैसे कि भूस्खलन आदि से निपटने में **अग्रणी भूमिका** निभाता है।
- जलवायु **अनुकूलन और शमन** के लिए **स्थानीय पारंपरिक ज्ञान** का सहारा लिया जा सकता है। उदाहरण के लिए- राजस्थान में जल संरक्षण के लिए कुंडी वर्षा जल संचयन प्रणाली प्रचलित है।

स्थानीय निकायों के लिए जलवायु वित्त हेतु उपलब्ध तंत्र

- **ग्रीन एंड सस्टेनेबिलिटी-लिंक्ड बॉण्ड्स,** उदाहरण के तौर पर, वडोदरा नगर निगम ने ग्रीन मुनि बॉण्ड जारी किए हैं।
- वर्तमान में जलवायु कार्रवाई के लिए स्थानीय सरकारों को **प्रदर्शन-आधारित राजकोषीय हस्तांतरण** किया जा रहा है। उदाहरण के लिए- UNCDFs (संयुक्त राष्ट्र पूंजी विकास कोष) की लोकल क्लाइमेट एडेप्टिव लिविंग फैसिलिटी (LoCAL)।
- **प्रदूषण और सघन इलाकों पर शुल्क लगाना,** उदाहरण के लिए- लंदन कंजेशन चार्ज और लो एमिशन जोन्स।

एक अध्ययन में कहा गया है कि लोगों के बढ़ते जीवन स्तर को समझने के लिए भारत में गरीबी मापने के मौजूदा तरीकों में बदलाव की सख्त जरूरत है

इस अध्ययन में गरीबी और असमानता में आए बदलावों पर प्रकाश डालते हुए 2022-24 के **घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण** के आंकड़ों की तुलना 2011-12 के आंकड़ों से की गई है।

अध्ययन के मुख्य बिंदुओं पर एक नज़र

- **पावर्टी हेडकाउंट रेशियो (HCR)** में काफी सुधार हुआ है। **1.90 डॉलर PPP (क्रय शक्ति समता)** पर, यह अनुपात 2011-12 में **लगभग 12%** था, जो घटकर **2023-24 में 1%** हो गया है।
  - **पावर्टी हेडकाउंट रेशियो (HCR):** गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी का प्रतिशत।
- **सबसे गरीब परिवार:** धनी परिवारों की तुलना में सबसे गरीब परिवारों के उपभोग व्यय में अधिक वृद्धि देखी गई है।
- **मौजूदा गरीबी की रेखा (तेंदुलकर और रंगराजन समिति):** गरीबी के ये मापदंड अब पुराने हो चुके हैं, क्योंकि ये आज के गरीब परिवारों की वास्तविक स्थिति और उनके अभावों को सटीक रूप से नहीं दर्शाते हैं।

अध्ययन में सापेक्ष गरीबी की दो नई सीमाएं प्रस्तावित की गई हैं:

- **सापेक्ष गरीबी रेखा (उपभोग के एक-तिहाई पर्सेंटाइल के आधार पर):** इस पद्धति में सरकार की ओर से तय गरीबी रेखा की बजाय, समाज के **सबसे कम आय वाले 33 प्रतिशत लोगों के व्यय को गरीबी का मापदंड** बनाया जाता है।
- **आय के आधार पर सापेक्ष गरीबी रेखा:** यूरोप में, सभी व्यक्तियों की आय को क्रम में रखने पर जो मीडियन इनकम यानी मध्य आय निकलती है, उसके 60% से कम आय वाले व्यक्ति को गरीब माना जाता है।
  - यदि इस पद्धति को भारत में लागू किया जाए, तो **2023-24 में 16.5% आबादी इस सीमा से नीचे** थी।

नई गरीबी रेखा का महत्त्व:

- यह वर्तमान समय में गरीबों की वास्तविक स्थिति और उनके अभावों को ध्यान में रखते हुए अपडेटेड उपभोग पैटर्न को दर्शाती है।
- यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक संवृद्धि के साथ गरीबी रेखा अपने आप समायोजित होती रहे।
- यह आधुनिक भारत में गरीबी का **अधिक सटीक माप प्रदान करती है।**

गरीबी मापन की पद्धतियां

निरपेक्ष गरीबी
- बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए आवश्यक एक निश्चित आय सीमा पर आधारित गरीबी
- विश्व बैंक के अनुसार, निम्न आय वाले देशों के लिए 2.15 डॉलर/ दिन, निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए 3.65 डॉलर/ दिन

सापेक्ष गरीबी
- इसमें किसी व्यक्ति की आय की तुलना समग्र जीवन स्तर से की जाती है
- विकसित देशों में प्रचलित

बहुआयामी गरीबी
- इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर शामिल हैं
- UNDP का बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI)

व्यक्तिपरक गरीबी
- यह स्व-मूल्यांकन के आधार पर तय होता है, जहां लोग रिपोर्ट करते हैं कि क्या वे गरीब महसूस करते हैं
- व्यक्तिगत और सामाजिक अपेक्षाओं के आधार पर

विभिन्न पद्धतियों को समझने से गरीबी निवारण हेतु अधिक प्रभावी रणनीति बनाने में मदद मिलती है

अन्य सुर्ख़ियां

मतदाता फोटो पहचान पत्र (Electors Photo Identification Card: EPIC) संख्या

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि EPIC नंबर में दोहराव का अर्थ डुप्लिकेट/ फर्जी मतदाता नहीं है।

- यह स्पष्टीकरण उन मामलों में दिया गया था, जहां **दो अलग-अलग राज्यों में समान EPIC नंबर** पाए गए थे। ऐसा पहले की मैनुअल और विकेंद्रीकृत प्रक्रिया के कारण हुआ था। अब मतदाता सूची डेटाबेस को **ERONET प्लेटफ़ॉर्म** पर शिफ्ट कर दिया गया है।

EPIC नंबर के बारे में

- यह **10-अंकों वाला मतदाता पहचान पत्र संख्या** है, जो **चुनाव आयोग (ECI)** द्वारा **मतदाता सूची** में पंजीकृत मतदाताओं को जारी किया जाता है।

ERONET (मतदाता सूची प्रबंधन) प्लेटफॉर्म के बारे में

- यह एक वेब-आधारित प्लेटफ़ॉर्म है जिसे चुनाव अधिकारियों द्वारा मतदाता पंजीकरण, माइग्रेशन और मतदाता सूची से नामों को हटाने से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को संभालने के लिए विकसित किया गया है।
- **विशेषताएं:** सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के लिए **एकीकृत डाटाबेस;** चुनाव अधिकारियों के **प्रदर्शन की निगरानी के लिए रिपोर्टिंग प्रणाली, आदि।**

फेरिहाइड्राइट

एक नए अध्ययन से पता चला है कि **मंगल ग्रह का लाल रंग ग्रह की धूल** में मौजूद **फेरिहाइड्राइट** के कारण है। पहले माना जाता था कि **मंगल ग्रह का लाल रंग हेमेटाइट के कारण है।**

- **हेमेटाइट के विपरीत, फेरिहाइड्राइट ठंडे पानी की उपस्थिति** में शीघ्रता से बनता है। इसका अर्थ है कि मंगल ग्रह पर फेरिहाइड्राइट की उपस्थिति अतीत में जल के प्रत्यक्ष प्रमाण का संकेत देती है।

फेरिहाइड्राइट के बारे में

- यह पृथ्वी की सतह पर **व्यापक रूप से पाया जाने वाला हयड्रोस फेरिक ऑक्सी-हाइड्रॉक्साइड खनिज है।**
- कई अन्य खनिजों जैसे कि **हेमेटाइट, गोइथाइट** का निर्माण इसी से हुआ है।
- फेरिहाइड्राइट मुख्य रूप से तेजी से अपक्षय की प्रक्रिया से गुजरने वाली मिट्टी में पाया जाता है। यह **घुलनशील सिलिकेट या कार्बनिक आयनों से भरपूर मिट्टी** में भी पाया जाता है, जहां यह अधिक क्रिस्टलीय लौह ऑक्साइड के निर्माण को बाधित करता है।
- **गुण:** इसके कण नैनो आकार के होते हैं और इनमें निम्नस्तरीय क्रिस्टलीयता होती है।
- इसका उपयोग **भारी तत्व संदूषकों के पृथक्करण में किया जाता है।**

स्वावलंबिनी

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय ने नीति आयोग के सहयोग से **स्वावलंबिनी - महिला उद्यमिता कार्यक्रम** शुरू किया है।

स्वावलंबिनी–महिला उद्यमिता कार्यक्रम के बारे में

- यह **लैंगिक रूप से समावेशी उद्यमिता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।**
- **उद्देश्य:** इस कार्यक्रम का लक्ष्य उच्चतर शिक्षा में अध्ययनरत छात्राओं को उद्यमिता के लिए आवश्यक **कौशल, संसाधन और मार्गदर्शन** उपलब्ध कराकर उन्हें सक्षम बनाना है।
- **संरचना:** इसमें **उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम,** महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम, मार्गदर्शन और फैकल्टी ट्रेनिंग भी शामिल हैं।
- **कार्यान्वयन निकाय: राष्ट्रीय उद्यमिता और लघु व्यवसाय विकास संस्थान।**
- **प्रभाव:** इसका लक्ष्य **प्रशिक्षित प्रतिभागियों में से 10% को उद्यम स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है,** जिससे भारत में महिलाओं के नेतृत्व में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (PKK)

कुर्द समूह कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (PKK) ने तुर्की के साथ युद्ध विराम की घोषणा की।

कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (PKK) के बारे में

- इस समूह ने **1980 के दशक की शुरुआत में तुर्की सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह शुरू** किया था। आरंभ में इस विद्रोह में कुर्दों के लिए स्वतंत्रता की मांग की गई थी।
- **तुर्की, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका** में PKK आतंकवादी समूह के रूप में प्रतिबंधित है।

कुर्द समुदाय के बारे में

- **कुर्द एक नृजातीय समूह** है। इनकी आबादी **लगभग 40 मिलियन** है।
- इस समूह के लोग मुख्य रूप से **ईरान, इराक, सीरिया और तुर्की** में रहते हैं।
- कुर्द समुदाय के लोग कुर्दिश भाषा की अलग-अलग बोलियां बोलते हैं। ये बोलियां **तुर्की या अरबी भाषा से सीधे तौर पर संबंधित नहीं हैं।**
- कुर्द समुदाय के अधिकांश लोग **सुन्नी मुसलमान** हैं।

युद्ध अभ्यास डेजर्ट हंट 2025

युद्ध अभ्यास 'डेजर्ट हंट 2025' भारतीय वायु सेना द्वारा जोधपुर एयरफोर्स स्टेशन पर आयोजित किया गया।

अभ्यास डेजर्ट हंट 2025 के बारे में

- यह तीनों सेनाओं के **विशेष बल का युद्ध अभ्यास** है।
- इसमें तीनों सेनाओं की निम्नलिखित विशिष्ट इकाइयां शामिल हुईं:
  - भारतीय थल सेना के **पैरा (विशेष बल),**
  - भारतीय नौसेना के **मरीन कमांडो (MARCOS),** और
  - भारतीय वायु सेना के **गरुड़ स्पेशल फोर्स।**
- इस अभ्यास का मकसद यह परखना है कि युद्ध जैसी परिस्थितियों में हमारे सैन्य बल कितनी तेजी से और प्रभावी ढंग से एक साथ मिलकर काम कर सकते हैं। यह अभ्यास युद्ध स्थितियों में आपसी सहयोग, समन्वय और तेजी से प्रतिक्रिया करने की क्षमताओं का मूल्यांकन करने और उन्हें सुधारने का अवसर देता है।

टांगानिका झील बेसिन के लिए पहल

इस पहल का नेतृत्व **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम** द्वारा किया जाएगा। इसका उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण, सतत भूमि प्रबंधन और टांगानिका झील बेसिन में जल सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

- **वित्त-पोषण:** वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF) द्वारा।
- **उद्देश्य:** टांगानिका झील के किनारे स्थित चार देशों के बीच **सीमा-पार सहयोग को बढ़ावा देना।**

टांगानिका झील बेसिन के बारे में

- इसका बेसिन **चार देशों- बुरुंडी, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, तंजानिया और जाम्बिया** में अवस्थित है।
- टांगानिका **अफ्रीका की महान झीलों** में से एक है। आयतन की दृष्टि से यह विश्व की दूसरी सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर **वैश्विक जैव विविधता हॉटस्पॉट** के रूप में मान्यता प्राप्त है।

श्रीलंकामल्लेश्वर अभयारण्य

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने श्रीलंकामल्लेश्वर अभयारण्य में प्राचीन शैल कला और शिलालेखों की खोज की है।

श्रीलंकामल्लेश्वर वन्यजीव अभयारण्य के बारे में

- यह **आंध्र प्रदेश में स्थित है।**
- यह **पेन्नार नदी के जलग्रहण क्षेत्र में आता है।**
- यह अभयारण्य **क्रिटिकली एंडेंजर्ड पक्षी जेर्डन कोर्सर** (रात्रिचर पक्षी) का एकमात्र पर्यावास स्थल है।
- **वनस्पति:** यहाँ **लाल चंदन** और **सैंडलवुड** की महत्वपूर्ण प्रजातियां पाई जाती हैं।
- **जीव-जंतु:** तेंदुआ, सियार, चिंकारा, चौसिंघा , स्लॉथ बियर, आदि।
- **वन प्रकार:** पहाड़ियों में दक्षिणी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वन, मैदानों में झाड़ीदार वन, दक्षिणी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन, उष्णकटिबंधीय कांटेदार वन और उष्णकटिबंधीय शुष्क सदाबहार वन।

सेलेनियम

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (ICMR) की एक रिपोर्ट के अनुसार, गेहूं में सेलेनियम की उच्च मात्रा से बाल झड़ते हैं।

सेलेनियम के बारे में

- सेलेनियम एक प्राकृतिक तत्व है, जिसकी अल्प मात्रा ही मानव शरीर के लिए आवश्यक होती है।
- **हानिकारक:** यदि इसका सेवन आवश्यकता से दुगुनी मात्रा में कर लिया जाए तो यह हानिकारक साबित हो सकता है।
- **सेलेनियम प्राकृतिक रूप से मिट्टी में पाया जाता है,** इसलिए पौधे-आधारित खाद्य पदार्थों के माध्यम से हमारे शरीर में इसकी मात्रा प्रभावित होती है।

सेलेनियम प्रदूषण

- **कारण:** मानवीय गतिविधियां, जैसे **जीवाश्म ईंधन से निकलने वाले अपशिष्ट का अनुचित निपटान** और **सेलेनियम युक्त मिट्टी में सिंचाई,** सेलेनियम प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण हैं।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

उरुग्वे (राजधानी: मोंटेवीडियो)

यामांडू ओरसी (Yamandú Orsi) ने उरुग्वे के नए राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण किया।

भौगोलिक अवस्थिति

- यह सूरीनाम के बाद दक्षिण अमेरिका का **दूसरा सबसे छोटा** देश है।
- **सीमाएं:** इसके उत्तर में ब्राजील और पश्चिम में अर्जेंटीना है।
- **समुद्री सीमा:** इसके पूर्व में अटलांटिक महासागर है।

भौगोलिक विशेषताएं

- **जलवायु:** उष्ण समशीतोष्ण
- **भूभाग:** उरुग्वे के अधिकतर हिस्से में पम्पास मैदान है। यह दक्षिण अमेरिका के दक्षिण-पूर्वी भाग में उपजाऊ निचले भाग का एक विशाल क्षेत्र है।
  - "पम्पा" शब्द की उत्पत्ति क्वेचुआ (Quechua) शब्द से हुई है जिसका अर्थ है "समतल मैदान"।
- **प्रमुख नदियां: रियो डी ला प्लाटा/ पराना नदी, उरुग्वे नदी।**
  - उरुग्वे नदी उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच सीमा बनाती है।
- **तटीय जलधाराएं:**
  - **ब्राजील जलधारा:** गर्म और उत्तर की ओर बहने वाली जलधारा।
  - **माल्विनास जलधारा:** ठंडी, पोषक तत्वों से भरपूर और दक्षिण की ओर बहने वाली जलधारा है।

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | राँची